रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

रानी दुर्गावती विश्वविद्यायल एवं बाल्टिक युनिवर्सिटी, रूस के साथ एमओयू से छात्रों एवं शिक्षकों के बीच ज्ञान और बौद्धिक संपदा का होगा आदान–प्रदान

जबलपुर 01 जुलाई। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (RDVV) और इमैनुएल कांट बाल्टिक फेडरेल युनिवर्सिटी, रूस (IKBFU) के बीच शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए एमओयू किया गया था जिसके तहत दिनांक 01 जुलाई 2022 शुक्रवार को बाल्टिक युनिवर्सिटी, रूस के 75 वें स्थापना दिवस पर शिक्षक छात्र परिचय बैठक का ऑनलाईन माध्यम से आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाल्टिक युनिवर्सिटी, रूस के वाइस रेक्टर, ओलगा किंम ने कहा कि आज के समय वैश्विक स्तर पर अध्ययन– अध्यापन, शोध और नवाचार की आवश्यकता है जिसको ध्यान में रखते हुए रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के साथ एमओयू किया गया है। वर्तमान में भारत के 172 छात्र– छात्राएं वहां अध्ययनरत है।

इस अवसर पर रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के मान. कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र जी ने कहा कि इस समझौते से दोनो देशो के बीच ज्ञान और बौद्धिकता सम्पदा का अदान प्रदान ही नही बल्कि संस्कृतिक मूल्यो का संवर्धन होगा। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह ने हर्ष व्यक्त किया एवं अपनी शुभकामायें दी। संकायाध्यक्ष विज्ञान संकाय प्रो. राकेश बाजपेयी ने कहा कि इस तरह के एमओयू से ज्ञान विज्ञान, बैधिक संपदा, आपदा प्रबंधन व अनेक बिंदुओं को संयुक्त रूप अध्ययन में बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर दोनों ही विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं के बीच प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का ऑनलाईन माध्यम से आयोजन किया गया जिसमें दोनो ही देशो के बारे में प्रश्न पूछें गए विजयी छात्र–छात्राओं को पुरूस्कार भी दिया गया एवं स्मृति चिन्ह का वितरण किया गया।

इस समझौते पर प्रकाश डालते हुए आई.क्यू.ए.सी की समन्वयक एवं महिला अध्ययन केन्द्र की निदेशक डॉ. श्रीमती राजेश्वरी राणा ने कहा कि भविष्य में दोनों विश्वविद्यालय

विभिन्न विषयों पर अत्याधुनिक द्विपक्षीय अनुसंधान करने एवं उच्च शिक्षा सहयोग को बढ़ावा देने में कारगर सिद्ध होगा। उन्होंने कहा यह एमओयू विभिन्न विषयों में हुए विकास और संयुक्त प्रकाशन में अत्यंत कारगर सिद्ध होगा। इस एमओयू की सूत्रधार फोरेन डीवीजन रूस की डॉ. रिषिका जयरथ राणा ने अभार व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र काल्यण प्रो. विवेक मिश्रा, डीआइसी निदेशक प्रो. एस. एस संधु, डॉ. जया सिंह, डॉ. सुनील कुमार, अभिजीत गर्ग, अतीत कुमार, सिमी जैन, अम्बिका गुप्ता, मानसी, मनोज, हेमन्त एवं आई.क्यू.ए.सी कमेटी के सदस्यों की उपस्थिति रही।